Date __/__/____

(iv) आर्थिक कारक :- प्रसिद्ध समाजशास्त्री कार्ल मार्क्स का मत है कि सामाजिक परिवर्तन समाज के आर्थिक परिवर्तनों से सीधे प्रभावित होता है। मानव इतिहास इस बात का साक्षी है कि जैसे - जैसे लोगों की आर्थिक उन्नति होती गयी उनके चिन्तन, मनोवृत्ति, रहन-सहन के ढंग, सामाजिक प्रथा, सामाजिक मूल्यों में काफी परिवर्तन आये हैं। भारतीय परिवेश में यह स्पष्टतः देखने को मिलता है। परिणामस्वरूप भारतीय समाज में स्त्री शिक्षा संबंधी मूल्यों एवं मानकों में काफी परिवर्तन आ गए हैं। इतना ही नहीं, आज औसत भारतीय के यहां आर्थिक सम्पन्नता के कारण आधुनिक नवीनतम आराम के उपकरण मौजूद हैं जिनसे इनके सामाजिक चिंतन तथा सामाजिक संबंधों में काफी बदलाव आ गए हैं।

(v) सांस्कृतिक कारक :- सामाजिक परिवर्तन में इस कारक का भी प्रभाव पड़ा है अध्ययनों से पता चलता है कि भौतिक तथा अभौतिक दोनों तरह के सांस्कृतिक तत्वों का प्रभाव सामाजिक परिवर्तन पर पड़ते हैं। सांस्कृतिक परिवर्तन का असर सामाजिक मूल्यों तथा सामाजिक संबंधों पर सीधा पड़ता है। भारतीय संस्कृति में

परिवर्तन हो जाने से अब समाज में बड़े-बूढ़ों की कोई इज्जत नहीं करता है जबकि एक समय ऐसा भी था जहाँ इन लोगों की आज्ञा का पालन परिवार का प्रत्येक सदस्य सहर्ष करता था। इतना ही नहीं, आधुनिक भारतीय लड़कियों के पोशाक एवं फैशन आदि में इतनी आकर्षकता बढ़ गयी है कि लैंगिक जैसे व्यवहारों में पहले की तुलना में काफी उत्तेजनाशीलता आ गयी है।

(vi) शैक्षिक कारक → कुछ ऐसे साक्ष्य मिले हैं जिसके आधार पर यह कहा जाता है कि स्कूल तथा कॉलेज में दी जाने वाली औपचारिक शिक्षा तथा परिवार या समाज में दिए जाने वाले अनौपचारिक शिक्षा का प्रभाव सामाजिक परिवर्तन पर काफी पड़ता है। भारतीय समाज में स्त्रियों के सामाजिक जीवन में उन्नति, बाल-विवाह का अन्त होना, विधवाओं के प्रति अधिक मानवीय व्यवहार, धार्मिक बंधन में ढीलापन तथा हरिजनों एवं पिछड़ी जातियों के प्रति अधिक उदारता का कारण शिक्षा स्तर में वृद्धि बतलाया गया है।

इस प्रकार शिक्षा में बढ़ती जागरूकता के कारण सामाजिक संबंधों में काफी परिवर्तन आ गया है।

Date ___ / ___ / ______

(VII) मनोवैज्ञानिक कारक :- इस कारक का भी प्रभाव सामाजिक परिवर्तन पर पड़ता है। समाज मनोवैज्ञानिकों का मत है कि समाज के लोगों में व्याप्त कुण्ठा, प्रतियोगिता, सहकारिता, उत्सुकता, नवीनता आदि की प्रवृत्तियों से सामाजिक परिवर्तन तेजी से आती है। इन मनोवैज्ञानिक कारकों के कारण सामाजिक संबंधों एवं उनकी रचनाएँ काफी परिवर्तित होती है। नवीनता एवं उत्सुकता की तीव्र प्रवृत्ति के कारण आधुनिक समाज के सामाजिक मूल्यों में भी काफी परिवर्तन आ गए हैं। शायद यही कारण है कि आधुनिक रहन-सहन वाले एक परिवार के प्रति समाज के व्यक्तियों की मनोवृत्ति पारंपरिक रहन-सहन वाले एक परिवार के प्रति मनोवृत्ति भिन्न होती है। इतना ही नहीं ऐसे अति आधुनिक परिवार के लोगों के सामाजिक मूल्य भी कुछ भिन्न देखे जाते हैं।

(VIII) राजनैतिक कारक :- सामाजिक परिवर्तन में राजनैतिक कारकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। किसी देश की राजनैतिक घटना, राजनैतिक नेतृत्व एवं राजनैतिक योजनाओं का प्रभाव सामाजिक परिवर्तन पर स्पष्ट रूप से पड़ते देखे गए हैं। भारतीय समाज में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब राजनैतिक नीतियों एवं नेतृत्व में

परिवर्तन आया, तो तरह-तरह के सामाजिक परिवर्तन आये। अनेक राजनैतिक पार्टियों दलितों एवं हरिजनों के उत्थान संबंधी अपने इरादों को बुलन्द किया और उन्हें कार्यान्वयन भी किया। परिणामतः ऐसे वर्गों की सामाजिक आर्थिक स्तर में काफी बदलाव आया और आज वे अपने को समाज का एक महत्वपूर्ण वर्ग मानने में तनिक भी हिचकिचाते नहीं हैं। अंग्रेजों के सामने राजनैतिक अवस्थाएँ कुछ और थी जिसके कारण समाज में दमन, विभेदीकरण आदि अधिक प्रचलित थी। उसी तरह हम मुगल राजाओं के समय की राजनैतिक हालतों पर एक नजर डालें तो स्पष्ट होगा कि उस समय के लोगों के सामाजिक मूल्यों एवं मानकों की बागडोर सीधा इन मुगल राजाओं के हाथ में होता था। व्यक्तिगत आजादी नाम की कोई चीज नहीं थी।

स्पष्ट हुआ कि सामाजिक परिवर्तन को उत्पन्न करने में कई कारकों का योगदान है। सामाजिक परिवर्तन क्यों होता है इसको जानने के लिए इन कारकों के स्वरूप को समझना आवश्यक है।

—— x —— x ——